

अंचल अधिकारी का कार्यालय, गोविन्दपुर

अभिलेख वाद संख्या- 16 /2016-17

वाद का प्रकार :-छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम 1908 की धारा 63A के तहत जॉच एवं कारवाई से संबंधित

29/11/16

छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम 1908 की धारा 63A के तहत जॉच के क्रम में हल्का कर्मचारी एवं अंचल निरीक्षक द्वारा प्रतिवेदित किया गया है, कि मौजा शेखराटांड थाना सं० 89 खाता संख्या 95 प्लॉट सं० 58 रकबा 1.00 की भूमि जो गैर आबाद खाते से संबंधित है, जिसकी जमाबंदी पंजी II में जमाबंदी संख्या 476 पर जमाबंदी रैयत दुलका दास पिता/पति दुडू दास ग्राम शेखराटांड के नाम से बन्दोवस्ती वाद सं० 103/88-85 के द्वारा कायम है परन्तु बन्दोवस्ती के 28 वर्षों के पश्चात भी जमाबंदीदार के द्वारा जमीन पर जोत आबाद नहीं किया गया है और न ही जमीन पर दखल संबंधी कोई साक्ष्य मिलता है।

अतएव संबंधित जमाबंदी रैयत को नोटिश निर्गत करते हुए उपर्युक्त भू-खण्ड से संबंधित मूल दस्तावेजो निर्गत लगान रसीद की मांग करे तथा कारण पृच्छा करे कि क्यों नहीं उक्त जमाबंदी को छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम 1908 की धारा 63--A

के तहत उपायुक्त महोदय, धनबाद को रद्द करने हेतू अनुशंसित किया जाय।

अभिलेख दिनांक 10.12.16 को उपस्थापित करें।

अंचल अधिकारी
गोविन्दपुर

12-16

अभिलेख उपस्थापित। नोटिस का तामिला प्राप्त है। विपक्षी उपस्थित नहीं हुए।

हल्का कर्मचारी एवं अंचल निरीक्षक का प्रतिवेदन देखा विपक्षी के द्वारा दिये गये कागजातो का अवलोकन किया, दिये गये कागजात के आधार पर मैंने स्वयं जाँच किया, विपक्षी का जमीन पर दखल कब्जा नहीं पाया, जमीन सरकार द्वारा बन्दोवस्त हैं और बन्दोवस्ती के प्रावधानों के अनुसार विपक्षी को इस जमीन पर पाँच वर्षों के अन्दर जोत-आबाद (कृषि या बागवानी) कर लेना चाहिए था परन्तु 28 वर्षों के बीत जाने के पश्चात भी विपक्षी के द्वारा जमीन का आबाद नहीं किया जा सका है।

अतः छोटानागपुर कारस्तकारी अधिनियम की धारा-63A तहत विपक्षी के नाम से की गई बन्दोवस्ती को रद्द करने की अनुशंसा की जाती है।

अभिलेख अग्रेत्तर कार्रवाई हेतू भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता, धनबाद को भेजे।



अंचल अधिकारी
गोविन्दपुर

11/17

अभिलेख प्राप्त उपस्थापित। नोटिस का तामिला प्राप्त है। विपक्षी उपस्थित नहीं हुए। हल्का कर्मचारी एवं अंचल निरीक्षक का प्रतिवेदन देखा विपक्षी के द्वारा दिये गये कागजातो का अवलोकन किया, दिये गये कागजात के आधार पर मैंने स्वयं जाँच किया, विपक्षी का जमीन पर दखल कब्जा नहीं पाया, जमीन सरकार द्वारा बन्दोवस्त हैं और बन्दोवस्ती के प्रावधानों के अनुसार विपक्षी को इस जमीन पर पाँच वर्षों के अन्दर जोत-आबाद (कृषि या बागवानी) कर लेना चाहिए था परन्तु 28 वर्षों के बीत जाने के पश्चात भी विपक्षी के द्वारा जमीन का आबाद नहीं किया जा सका है। अतः छोटानागपुर कारस्तकारी अधिनियम की धारा-63A तहत विपक्षी के नाम से की गई बन्दोवस्ती को रद्द करने की अनुशंसा की जाती है। अभिलेख अग्रेत्तर कार्रवाई हेतू भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता, धनबाद को भेजे।

11/17

अभिलेख प्राप्त उपस्थापित। नोटिस का तामिला प्राप्त है। विपक्षी उपस्थित नहीं हुए। हल्का कर्मचारी एवं अंचल निरीक्षक का प्रतिवेदन देखा विपक्षी के द्वारा दिये गये कागजातो का अवलोकन किया, दिये गये कागजात के आधार पर मैंने स्वयं जाँच किया, विपक्षी का जमीन पर दखल कब्जा नहीं पाया, जमीन सरकार द्वारा बन्दोवस्त हैं और बन्दोवस्ती के प्रावधानों के अनुसार विपक्षी को इस जमीन पर पाँच वर्षों के अन्दर जोत-आबाद (कृषि या बागवानी) कर लेना चाहिए था परन्तु 28 वर्षों के बीत जाने के पश्चात भी विपक्षी के द्वारा जमीन का आबाद नहीं किया जा सका है। अतः छोटानागपुर कारस्तकारी अधिनियम की धारा-63A तहत विपक्षी के नाम से की गई बन्दोवस्ती को रद्द करने की अनुशंसा की जाती है। अभिलेख अग्रेत्तर कार्रवाई हेतू भूमि सुधार उपसमाहर्त्ता, धनबाद को भेजे।

अंचल अधिकारी
गोविन्दपुर